Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक
क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 51, शुक्रवार, 16 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

उप-चुनाव नतीजे : सपा-बसपा गठबंधन ने ध्वस्त किया योगी आदित्यनाथ का गढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिन कारणों ने 2017 में अखिलेश सरकार की विदाई करा दी थी, लगभग उन्हीं कारणों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके अपराजेय गढ़ गोरखपुर सदर सीट पर हार का मुंह देखने को मजबूर कर दिया। 29 साल से जीत के लिए तरस रहीं सपा-बसपा और सहयोगी पार्टियां बल्लियों उछल रही हैं तो भाजपाइयों को हार पर जवाब देते नहीं बन रहा।

गोरक्षपीठ के गहरे प्रभाव वाली सीट पर विपक्ष की (22 हजार वोटों से) जीत को असामान्य घटना के रूप में देखा जा रहा है। लोगों को यकीन नहीं हो रहा है कि भाजपा अपने अजेय दुर्ग में ही ढह गई। इस हार का संदेश दूर तक जाएगा। यह फैसला गैर-भाजपा दलों का गठबंधन बनवाने में तो मददगार होगा ही, 2019 के आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ एक ब्रह्मास्त्र का भी काम करेगा। चुनाव परिणाम बता रहा है कि महज सांसद के रूप में योगी आदित्यनाथ जनता में ज्यादा स्वीकार्य थे। माना जा रहा था कि मोदी सरकार के चार साल और अपने एक साल के कामकाज के बूते योगी इस चुनाव में पार्टी प्रत्याशी उपेन्द्र दत्त शुक्ल को ज्यादा बड़े अंतर से जितवाने में कामयाब होंगे।

उम्मीदवारों की घोषणा होने तक भी ऐसा ही कयास लगाया जा रहा था। भाजपाई तो कोई मुकाबला मान ही नहीं रहे थे। उनका कहना था कि जीत तो सौ फीसदी से ज्यादा पक्की है। देखना यही है कि हार-जीत का अंतर उतना ही रहेगा या बढ़ेगा। बसपा के सपा को समर्थन देते ही हालात तेजी से बदलने लगे। निषाद पार्टी, पीस पार्टी और बसपा के सहयोग से सपा दिनोंदिन मजबूत होती गई। उसके कार्यकर्ता इतने उत्साहित हो गए कि उनमें यही संदेश गया कि अगर इस बार जीत नहीं मिली तो फिर कभी भी जीत का सुख नसीब नहीं होगा। उनकी उम्मीद का सबसे बड़ा कारण यही था कि योगी उम्मीदवार नहीं थे और उनकी जगह पार्टी ने जिस उपेन्द्र शुक्ल को उम्मीदवार बनाया, योगी के मुकाबले वह कहीं नहीं ठहरते।उधर, भाजपा इस खुशफहमी में डूबी रही कि सीएम के गढ़ में हार हो ही नहीं सकती। जब योगी सांसद रहते तीन लाख से अधिक वोट से जीते थे तो अब सीएम रहते उन्हें क्या कोई हरा पाएगा।

'यूपी के मुख्यमंत्री रहे टीएन सिंह सीएम बने रहने के लिए उन्होंने गोरखपुर की मनीराम सीट से उपचुनाव लड़े। लेकिन इंदिरा कांग्रेस के प्रत्याशी रामकृष्ण द्विवेदी ने उन्हें करारी मात दे दी। उन्हें कुर्सी छोड़नी पड़ी। ' बरसों बाद गोरखपुर मेयर का चुनाव हुआ। उस वक्त बतौर निर्दलीय खड़ी हुईं किन्नर आशा देवी को जनता ने मेयर के लिए भारी मतों से जिता दिया।' अब गोरखपुर की जनता ने बरसों बाद गोरखपुर की सांसदी भाजपा को न देकर सपा को जिस तरह सौंप दी, वह अब चौंकाने वाली ही मानी जा रही है। 1989 से 2018 तक गोरक्षा पीठ के महंत रहे यहां से सांसद ' 1989 में महंत अवैद्यनाथ हिंदू महासभा की टिकट पर लोकसभा पहुंचे थे ' 1998 से महंत अवैद्यनाथ के शिष्य योगी आदित्यनाथ यहां से जीतते आ रहे थे।

मतदाताओं ने 14 वर्ष पहले (2004 के संसदीय चुनाव से) अपना मिजाज बदला था। 2004 में सपा के टिकट पर अतीक अहमद जीते थे। 2009 के चुनाव में मतदाताओं ने बसपा के कपिलमुनि करवरिया को सांसद चुन लिया था। 2014 में भाजपा के केशव प्रसाद मौर्य को चुना था।

' 2014 में पहली बार भाजपा ने फूलपुर सीट तीन लाख के प्रचंड अंतर से यह सीट जीती ' 2017 में फूलपुर लोकसभा सीट की पांच सीटों में से चार भाजपा के पास और एक अपना दल के पास।

' 2018 में समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेकर गोरखपुर सीट से लड़े चुनाव और जीते।

नागेंद्र पटेल का यह पहला चुनाव था। पटेल मतदाताओं पर अच्छी पकड़ के कारणसपा ने प्रत्याशी बनाया।

' 1991 में इलाहाबाद डिग्री कॉलेज में उपाध्यक्ष का चुनाव लड़ने के साथ ही नागेंद्र सक्रिय राजनीति में आ गए।

बसपा ने कामयाबी के साथ सपा को अपने वोट ट्रांसफर कराए हैं। हम ऐसी परिस्थितियों के लिए भी तैयारी करेंगे कि एसपी-बीएसपी और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ सकते हैं।- केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री, यूपी

सार समाचार

यूपी: बेटे ने पिता के साथ किया ऐसा काम कि रिश्ता हो गया शर्मसार

पीलीभीत (एजेंसी)। कलियुगी बेटे पर अपने बाप की हत्या कर देने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मृतक के चाचा ने अपने भाई की गैर इरादतन हत्या कर देने का आरोप अपने भतीजे पर लगाकर थाना सुनगढ़ी में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। थाना सुनगढ़ी एरिया के ग्राम चिड़ियादाह निवासी मुन्नालाल कश्यप की मौत 12 मार्च की रात में हो गई थी। इस मामले में मुन्नालाल के भाई राजकुमार ने पुलिस को जहर देकर हत्या कर दिए जाने की सूचना दी थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया तो उसमें सिर में चोट लगने से हत्या हो जाने की बात सामने आई। बुधवार रात में मृतक के भाई ने अपने भतीजे सौरभ पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर मिलने पर आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी मोहम्मद कासिम ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर हत्या की वजह जाने का प्रयास किया जा रहा है।

उपचुनाव के नतीजे देश की राजनीति को बदलने वाले : जयंत

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा है कि उपचुनाव के नतीजे देश की राजनीति को बदलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास यूपी और केंद्र सरकार से उठ गया है। वह गुरुवार को यहां मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, सीएम योगी ठोक दो डायलॉग देते रहे हैं। जनता ने ही भाजपा को ठोक दिया। जयंत चौधरी ने विपक्ष के गठबंधन पर कहा कि यह राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए। वैसे, आगे परिस्थितियां तय करेंगी कि गठबंधन का स्वरूप क्या होगा। उन्होंने कि गोरखपुर और फूलपुर उपचुनाव में जीत के लिए अखिलेश यादव और मायावती को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा हार की समीक्षा करे तो प्रदेश सरकार के एक साल के कार्यकाल की करे। कहा कि विपक्ष का जो भी मोर्चा होगा, उसमें रालोद की बड़ी भूमिका होगी।

यूपी में सपा की जीत पर प्रदेश कार्यालय में मना जश्न

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर और फूलपुर लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में सपा-बसपा गठबंधन की जीत पर यहां 18 कॉपरनिकस लेन स्थित सपा प्रदेश कार्यालय में जश्न मनाया गया। पार्टी प्रवक्ता और महासचिव आरएस यादव ने इस अवसर पर जुटे कार्यकताओं को बधाई देते हुए दिल्ली में भी पार्टी को समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने आंदोलन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के कार्यकाल में हुए असली विकास और वर्तमान योगी सरकार की विखंडन की नीति के बीच मुकाबले में सच की जीत हुए है।यादव ने कहा कि असली विकास की विजय हुई और नकली विकास का ढोल फट गया है।

विस सत्र में काम रोको प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी एवं पूर्वी दिल्ली नगर निगम की आर्थिक स्थिति को लेकर विपक्ष विधानसभा सत्र में काम रोको प्रस्ताव लाएगा। विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने यह जानकारी दी। नगर निगमों की आर्थिक स्थिति को लेकर उन्होंने चिन्ता जताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार का रुख नकारात्मक है। जिससे कर्मचारियों के वेतन का संकट इतना अधिक है कि निगम दिसम्बर महीने का वेतन अभी तक नहीं दे पाये हैं। नेता विपक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार नगर निगमों को लगातार कमजोर करने में लगी है। धन के अभाव में सभी विकास कार्य ठप हो गये हैं। सरकार ने अभी कि चौथे वित्त आयोग की सिफारिशों को भी लागू नहीं किया है। जबकि पंचम वेतन आयोग की सिफारिशें आये तीन महीने का समय बीच चुका है, लेकिन अभी तक दिल्ली सरकार उन्हें विधानसभा पटल पर भी नहीं रखा है। केजरीवाल सरकार अपना काम करने के बजाए हर मुद्दे पर केंद्र सरकार को कोसती रहती है।

एयरपोर्ट पर 10 लाख रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा के साथ यात्री गिरफ्तार

आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पर सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों ने चेक इन एरिया में जांच के दौरान फ्लाइट नम्बर6 ई 47 से दुबई जाने वाले यात्री मोहम्मद मो. फहद हुसैन से 10 लाख 97 हजार 620 रुपए की विदेशी मुद्रा बरामद की है।एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार मो. फहद हुसैन बुधवार दोपहर दो बजे दुबई जाने के लिए आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पहुंचे थे। चेकइन एरिया में जांच दौरान कपड़ों के बीच कुछ संदिग्ध वस्तु सुरक्षा अधिकारी को दिखाई दी। संदिग्ध वस्तु दिखने पर सामान की जांच में के दौरान अखबार के कागज में लिपटे और कपड़ों के बीच रखा बंडल दिखाई दिया। कागज में लिपटा बंडल मिलते ही सुरक्षा अधिकारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की सूचना दी। सूचना पाकर वरिष्ठ अधिकारी भी जांच एरिया में पहुंचे और कागज में लिपटा बंडल खोला। बंडल में 8 हजार रियाल,10 हजार यूरो, 3000 दिरहम और 10120 रुपए की भारतीय मुद्रा पैक थी। यात्री के पास विदेशी मुद्रा मिलते ही उसे हिरासत में लेकर मामले की जानकारी केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क विभाग को दी गई। जानकारी मिलते ही सीमा शुल्क की टीम ने यात्री मो. फहद हुसैन को गिरफ्तार कर सीमा शुल्क की टीम से यह जानने की कोशिश की कि यह राशि हवाला की तो नहीं है।

स्कूल संचालकों ने दी दिल्ली सरकार को चौतरफा विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के बच्चे राजघाट पर करेंगे प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के बच्चे राजघाट पर प्रदर्शन कर सरकार के उस आदेश का विरोध करेंगे जिसमें इन स्कूलों को शैक्षणिक गतिविधियां बंद करने को कहा गया है। बृहस्पतिवार को इन स्कूलों के बच्चे राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पहुंचे। दिल्ली के मुख्यमंत्री से स्कूलों को बन्द न करने की अपील की। दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल्स मैनेजमेन्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन ने कहा है कि वर्तमान शिक्षा सत्र समाप्त होने में मात्र 15 दिन बचे हैं। ऐसे में इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के साथ-साथ इनके अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही है। क्योंकि सरकारी स्कूलों में जगह नहीं है जबकि बड़े-बड़े पब्लिक स्कूलों की फीस इन बच्चों के गरीब मां-बाप दे नहीं सकते। इस स्थिति में लाखों बच्चे शिक्षा के अपने मौलिक अधिकार से वंचित हो जाएंगे। जैन ने दिल्ली सरकार को चेतावनी दी है कि सरकार ने अगर इन स्कूलों को बन्द करने के निर्णय को तुरन्त प्रभाव से वापिस नहीं लिया तो दिल्ली के इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे, उनके अभिभावक व इन स्कूलों के अध्यापक, अध्यापिकाओं सहित स्कूल संचालकों का जगह-जगह प्रदर्शन होगा जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। इससे पहले इन स्कूलों के बच्चे अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर प्रदर्शन कर चुके हैं तथा अपने-अपने स्कूलों के बाहर मानव श्रृंखला बनाकर अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचा चुके हैं।

बृहस्पतिवार को इन स्कूलों के बच्चे राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पहुंचे। दिल्ली के मुख्यमंत्री से स्कूलों को बन्द न करने की अपील की।

>> सरकार के एक्सीलेंस स्कूलों में दाखिला प्रक्रिया आज से

नर्सरी, केजी, कक्षा एक और कक्षा दो के लिए होंगे दाखिले

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के एक्सीलेंस स्कूलों में आरंभिक कक्षाओं के लिए दाखिला प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो रही है। नर्सरी, केजी, कक्षा एक और कक्षा दो के बच्चों को नेबरहुड के आधार पर यहां दाखिला दिया जाएगा। नेबरहुड एरिया ईडब्ल्यूएस श्रेणी की दाखिला प्रक्रिया के अनुरूप रहेगा। नर्सरी, केजी, कक्षा एक और कक्षा दो के लिए न्यूनतम आयु सीमा क्रमशः 3, 4, 5 और 6 वर्ष तय की गई है। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को तय मानकों के अनुरूप आयुसीमा में छूट दी जाएगी। सरकार की ओर से जारी किए गए दिशानिर्देश में कहा गया है कि आवेदन की प्रक्रिया ऑफलाइन होगी और शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट से डाउनलोड या विद्यालयों से प्राप्त फॉर्म को भरकर विद्यालयों में ही 24 मार्च तक जमा किया जा सकेगा। दिशानिर्देश में कहा गया है कि यदि आवेदन फॉर्म की संख्या तय सीटों के बराबर रहती है तो ड्रा का आयोजन नहीं होगा अन्यथा स्कूलों में 27 मार्च को अभिभावकों की उपस्थिति में ड्रा का आयोजन किया जाएगा और 28 को विद्यालय चयनित छात्रों की सूची प्रदर्शित कर देंगे। सभी कक्षाओं के लिए तीन सेक्शन होंगे और एक सेक्शन में 25 विद्यार्थी होंगे।

वेटिंग लिस्ट वाले बच्चों का दाखिला 6 अप्रैल से शुरू होगा। खाली सीटों पर वर्ष भर दाखिला प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षाएं 2 अप्रैल से शुरू हो जाएंगी। दिशानिर्देश में कहा गया है स्कूल दस्तावेजों के अभाव में स्पेशली एबल्ड चाइल्ड, डेस्टीट्यूट चाइल्ड, रिफ्यूजी या एसाइलम सीकर, होमलेस, माइग्रेंट, अनाथ या सरकारी संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को दाखिला देने से मना नहीं किया जाएगा।

ऐसे बच्चों को अंडरटेकिंग के आधार 30 दिनों का प्रोविजनल एडमिशन दे दिया जाएगा, बाद में सरकार इनकी दस्तावेज प्रस्तुत करने में मदद करेगी। बता दें कि सरकार ने पांच राजकीय विद्यालयों को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के तौर पर तैयार किया है।

ऑफलाइन रहेगी प्रक्रिया, फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 24 मार्च

यूपी:पुलिस की छापेमारी में 1 करोड़ की सैम्पल दवाओं के अवैध कारोबार का भंडाफोड़

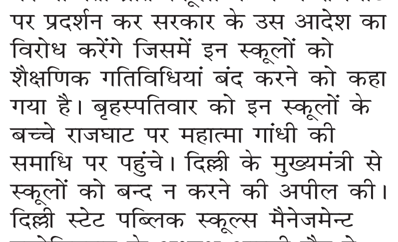

मुरादाबाद। मुरादाबाद में सैम्पल की दवाओं के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है। ड्रग विभाग ने पुलिस बल के साथ प्रिन्स रोड पर छापेमारी में यह खुलासा किया।

पकड़ी दवाओं की कीमत एक करोड़ बताई गई है। टीम ने मौके पर सैम्पल भरे हैं और छानबीन शुरू कर दी है। ड्रग विभाग की टीम को छापे में बड़ी सफलता मिली है।

गलशहीद थाना क्षेत्र के प्रिंस रोड स्थित एक मकान में दवाओं का अवैध भंडारण मिला। यह सारी दवाएं सैंपल की है जो डॉक्टरों को दी जाती है। इन दवाओं की आपूर्ति ग्रामीण क्षेत्र में की जाती है। नरेश मोहन दीपक ने जिलाप्रशासन के निर्देश पर छापेमारी की कार्रवाई की। गलशहीद की पुलिस भी उनके साथ गई और इस्माइल नाम के एक व्यक्ति के आवास पर छापे मारकर दवाओं का जखीरा पकड़ा।

सूचना मिली की दवाइयां नकली हैं। पकड़ी निकलीं सैम्पल की। सिटी मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ करवाई की जाएगी।

किराड़ी विधायक से चार घंटे पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश से हुई कथित मारपीट तथा बदसलूकी के मामले में दिल्ली पुलिस ने वजीरपुर के पूर्व विधायक राजेश गुप्ता तथा कोटला मुबारकपुर के पूर्व विधायक मदनलाल को पूछताछ के लिए बुलाया है। इनमें से राजेश गुप्ता को बृहस्पतिवार तथा मदनलाल को शुक्रवार को नोटिस देकर बुलाया गया है। इस बीच बुधवार को पुलिस ने किराड़ी के विधायक रितुराज से करीब चार घंटे तक गहन पूछताछ की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रितुराज से करीब एक सौ से अधिक सवाल पूछे गए लेकिन उन्होंने पुलिस की नजर में अधिकांश जवाब सही ढंग से नहीं दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि किराड़ी के विधायक पूछताछ के लिए बुधवार को दोपहर करीब चार बजे आए थे और उन्हें पूछताछ के बाद रात आठ बजे छोड़ा गया। उनसे भी घटना के दिन मुख्य सचिव से हुई बदसलूकी को लेकर सवाल किए गए लेकिन उन्होंने सही तरीके से जवाब नहीं दिया। पुलिस ने बताया कि इससे पहले मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने पूर्व विधायक संजीव झा से पूछताछ की थी जबकि उनसे भी पचास से अधिक सवाल पूछे गए थे। फिलहाल पुलिस किसी भी पूर्व विधायक व विधायक से बड़ी पूछताछ को लेकर संतुष्ट नहीं है।

मजलिस पार्क से साउथ कैम्पस के बीच दौड़ी मेट्रो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो की बहुप्रतीक्षित पिंक लाइन के मजलिस पार्क से दुर्गाबाई देशमुख साउथ कैम्पस खंड पर बुधवार से मेट्रो सेवा शुरू हो गई जिसके साथ ही राजधानी में मेट्रो का नेटवर्क ढाई सौ के आंकड़े को पार कर 252 किलोमीटर तक पहुंच गया। केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री डा. हरदीप सिंह पुरी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 21.56 किलोमीटर लंबे इस खंड पर मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री डा. हर्षवर्धन , सांसद मीनाक्षी लेखी, भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और दिल्ली मेट्रो के प्रबंध निदेशक डा. मंगू सिंह भी मौजूद थे।

पुरी ने कहा कि दिल्ली मेट्रो ने अपनी विश्वस्तरीय सेवा, विश्वसनीयता और कार्य शैली से पुरी दुनिया में भारत का डंका बजाया है। दिल्ली मेट्रो अब देश के विभिन्न राज्यों की मेट्रो के साथ साथ बंगलादेश तथा इंडोनेशिया जैसे देशों में भी मेट्रो लाइनों के लिए सलाहकार का काम कर रही है।

उद्घाटन के बाद सांय छह बजे से इस रूट को आम जनता के लिए खोल दिया गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली मेट्रो का दूसरा नाम विश्वसनीयता है क्योंकि आपको पता है कि आप निश्चित समय में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे, लेकिन सड़क पर इन दूरियों को तय करने में आपको अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली सरकार मेट्रो के विस्तार के प्रति वचनबद्ध है और इसे लेकर किसी के मन में कोई शंका नहीं होनी चाहिए। भारत में जापान के राजदूत केंजी हिरामात्सू ने कहा कि दिल्ली मेट्रो भारत और जापान के संबंधों में प्रगाढता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि जापान दिल्ली मेट्रो परियोजना के साथ शुरू से ही जुड़ा है और भविष्य में भी इस परियोजना को सहयोग जारी रखेगा। इस खंड के चालू होने के बाद उत्तरी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली मेट्रो के जरिये सीधे जुड़ गई है।

पिंक लाइन दिल्ली मेट्रो की सातवीं लाइन है और इसकी कुल लंबाई लगभग 60 किलोमीटर है और इसका 80 प्रतिशत हिस्सा रिंग रोड के साथ साथ है। इससे रिंग रोड के साथ लगती आवासीय कालोनियों तथा बाजारों में आने जाने वाले लोगों को विशेष फायदा होगा। इस खंड के चालू हो जाने से दिल्ली विश्विद्यालय के उत्तरी और दक्षिणी परिसर भी मेट्रो से जुड़ गये हैं और इनमें आने जाने वाले छात्रों को इससे काफी फायदा होगा।

इस लाइन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह एयरपोर्ट मेट्रो सहित पहले से चालू छह लाइनों में से ज्यादातर से कहीं न कहीं मिलती है।

मेट्रो का दूसरा नाम विश्वसनीयता : केजरीवाल दिल्ली मेट्रो भारत व जापान के संबंधों में प्रगाढ़ता का प्रतीक : केंजी हिरामात्सू

कपट से धर्म नष्ट हो जाता है, क्रोध से तप नष्ट हो जाता है और प्रमाद करने से पढ़ा-सुना नष्ट हो जाता है - अज्ञात

दलों का प्रतिनिधित्व

सोनिया गांधी द्वारा दिए गए रात्रि भोज में 20 दलों का प्रतिनिधित्व होना निश्चय ही तत्काल कांग्रेस का उत्साह बढ़ाने वाला है। हालांकि कांग्रेस ने इसे किसी गठजोड़ की कोशिश की बजाय मित्रता कायम करने वाला प्रयास कहा है, लेकिन कोई भी इसके पीछे की मंशा समझ सकता है। कांग्रेस की कोशिश अभी से भाजपा और नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध विपक्षी दलों को एकत्रित करना है ताकि 2019 में उनको सामूहिक चुनौती दी जा सके। भाजपा विरोधी अनेक दलों का मानना है कि बगैर किसी बड़े गठजोड़ के भाजपा एवं मोदी को 2019 लोक सभा चुनाव में चुनौती नहीं दी जा सकती। उत्तर प्रदेश उपचुनाव परिणामों से विपक्ष के अंदर अवश्य उत्साह आया होगा। इसने इस बात को प्रमाणित किया है कि अगर किसी प्रदेश में वहां के मुख्य दल एकत्रित हो जाएं तो भाजपा को पराजित किया जा सकता है। किंतु इस उत्साह और प्रमाण से विपक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में एकजुट हो जाएगा ऐसा मानना अभी जल्दबाजी होगी। इन उपचुनाव में कांग्रेस कहीं नहीं है। दूसरे, कुछ विपक्षी दलों में ऐसे भी लोग हैं, जिनका मानना है कि गैर भाजपा और गैर कांग्रेस गठजोड़ बनना चाहिए। कांग्रेस भी इसे समझ रही है। इसलिए उसने इसे मित्रता मिलन का नाम दिया है। सोनिया के रणनीतिकारों ने काफी सोच-समझकर अभी किसी गठबंधन की बात नहीं की है। आखिर तीन राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश तक सिमटी पार्टी के नेतृत्व में कोई कैसे आना चाहेगा? विपक्षी दल भी कर्नाटक और उसके बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव का परिणाम देखना चाहेंगे। तो बहुत कुछ इन चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगा। कांग्रेस यदि इन चुनाव में विजय प्राप्त करती है तो फिर वह कुछ दलों की विपक्षी एकता की धुरी बन सकती है। यदि नहीं करती है तो फिर क्या होगा कहना कठिन है? हमारा मानना है कि कांग्रेस को रात्रि भोज में विपक्ष के साथ एकता दिखाने से ज्यादा अपने संगठन और जनाधार विस्तार पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। वही मूल है। अगर कांग्रेस का संगठन मजबूत हुआ, उसके जनाधार का विस्तार हो गया तो उसे मत भी मिलेंगे। अगर यह नहीं हुआ तो चाहे कुछ विपक्षी दल उसके साथ आ जाएं तो भी वह चुनाव को ज्यादा प्रभावित करने की स्थिति में नहीं होगी। देखना होगा कांग्रेस इस दिशा में क्या और कितना कर पाती है?

स्टीफेन हॉकिंग

अतरिक्ष विज्ञानी स्टीफेन हॉकिंग आज दुनिया को अलविदा कह गये। इसे संयोग ही कहेंगे कि वह गैलीलियो की मृत्यु के 300वें साल पर पैदा हुए और आइंस्टीन के जन्मदिन पर संसार से कूच कर गए। विज्ञान हमारे जीवन को बहुत प्रभावित करता है पर ऐसे मौके बहुत कम होते हैं, जब कोई वैज्ञानिक हमारे जीवन को उतना ही प्रभावित करता है, जितना कि उसकी खोज या उसका आविष्कार। आइंस्टीन के बाद स्टीफेन हॉकिंग शायद एकमात्र ऐसे विज्ञानी थे। वे कैंब्रिज में ल्यूकासियन प्रोफेसर के रूप में न्यूटन चेयर पर थे। व्हील चेयर में बैठे-बैठे अपनी चमकतीं आंखों से शून्य को निहारने वाले ब्रिटिश विज्ञानी हॉकिंग ने ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को बहुत ही समृद्ध किया। ब्रह्मांड की उत्पत्ति के बारे में बिग बैंग के सिद्धांत से लेकर ब्लैक होल पर अपने शोधों के जरिये हॉकिंग ने ब्रह्मांड की हमारी समझ को एक ऐसी ऊंचाई पर ले गए जहां से ब्रह्मांड हमारे लिए ज्यादा दिलचस्प बन गया। इससे ब्रह्मांड को धार्मिक और ईरवादी नजरिये से देखने की पुरातन और अवैज्ञानिक परम्परा पर विराम लग गया। अंतरिक्ष विज्ञान और खगोल भौतिकी के बारे में लोगों की दिलचस्पी उनकी वजह से ही बढ़ी। इस बारे में उनकी लिखी चर्चित पुस्तक ''अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ़ टाइम' का बहुत बड़ा योगदान है। 1988 में आई यह किताब उन्हें भी बेहद पसंद आई, जिनको विज्ञान के बारे में कुछ भी पता नहीं है। इस पुस्तक की एक करोड़ से ज्यादा कॉपियां बिक चुकी हैं और 35 से ज्यादा भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। आइंस्टीन की तरह ही हाकिंग बड़े मानवतावादी थे और यही शायद उनको विशिष्ट बनाता है। वह निरीश्वरवादी थे और पुनर्जन्म में भी उनका विास नहीं था। विज्ञानी होते हुए भी वह विज्ञान के दुष्प्रभावों से दुनिया को आगाह करते रहते थे। आर्टफीसियल इंटेलिजेंस के बारे में उनका मत ऐसा ही है। व्हीलचेयर पर बैठा एक ऐसा व्यक्ति जो न तो बोल सकता है, न चल सकता है, दुनिया में जहां कहीं गया लोग उनको देखने-सुनने के लिए उमड़ पड़े। हाकिंग 2001 में भारत भी आए थे और इस दौरे को उन्होंने ''विशिष्ट' बताया था। उनके अवदान मानवीय इतिहास में अमिट रहेंगे और वे अपनी खोजों में जिंदा रहेंगे।

सत्संग

''खाली दिमाग शैतान की दुकान।'

हावत है-''खाली दिमाग शैतान की दुकान।' यह उन सबके लिए है जो परिश्रम से जी चुराते हैं। परिश्रम के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा-सा रहता है। विज्ञान भी मानने लगा है कि परिश्रम से जी चुराने से ही नाना प्रकार की बीमारियां पनपती हैं। कुछ दिन पहले इस देश में राजा-रईस, अमीर-उमराव, जमींदार-साहुकार, महंत-मठाधीश बहुत थे। उनके पास आमदनी बहुत थी, और नौकर-चाकरों के बलबूते पर उनका व्यापार चलता रहता था। काम का कोई उत्तरदायित्व सिर पर न होने से उनके पास समय बहुत बचता था। बचे समय का उपयोग आम तौर से खुराफात में होता था। परिस्थितियों ने उन्हें श्रम करने और सुधरने के लिए विवश किया है। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं, वरन मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगे। कार्यव्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है। पर बेकार आदमी के लिए तो सर्वनाश का द्वार खुला पड़ा है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। बहुधा आलस्य भी होता है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, श्रम में जिनका जी दुखता है, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी शान और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं, पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कहीं कमी नहीं है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है? पुरानी कहावत है कि ''कुछ न कुछ किया कर, कुछ न हो तो पाजामा उधेड़ कर सिया कर।' बेकारी का वक्त बेकार बातों में गंवाने से अच्छा है कि पाजामा उधेड़ने और सीने की कला का अभ्यास होता रहे और उस कार्य में हाथ सध जाए। कारीगरों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। उद्योग-धंधे बढ़ रहे हैं। उनके लिए कुशल कारीगरों की कमी रहती है। उन्हें आजीविका भी अच्छी मिलती है, और स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। बाबूगीरी की अपेक्षा लोग मेहनतकश बनने को तैयार हों, तो उनकी शान-शेखी में ही थोड़ी कमी हो सकती है, पर लाभ उन्हें भी होगा और सारे समाज को भी।

समर्थन की घोषणा

राजस्थान और मध्य प्रदेश के हालिया उपचुनावों में भाजपा की हार के बाद उत्तर प्रदेश में लोकसभा उपचुनाव में उसकी हार को अपने गढ़ में भाजपा के ढलान पर होने के संकेत के रूप में पढ़ा जाएगा। इस संकेत को बिहार के उपचुनावी नतीजे पुख्ता करते हैं, जहां राजद ने न सिर्फ अररिया संसदीय और जहानाबाद विधानसभा सीट पर कब्जा बनाए रखा है, बल्कि इसका भी स्पष्ट संकेत दे दिया है कि बिहार में विपक्ष नीतीश-भाजपा सत्ताधारी गठजोड़ पर भारी पड़ने जा रहा है। वास्तव में गुजरात के विधानसभा चुनाव में भाजपा के बहुत कड़े मुकाबले का सामना करने पर मजबूर कर दिए जाने के बाद राजस्थान और मध्य प्रदेश के चुनावी नतीजों से पहले ही संकेत जा चुका था।

सतीश पेडणोकर

उत्तर-पूर्व के तीन राज्यों से आई खुशखबरी पर पटाखों का शोर थमा भी नहीं था कि भाजपा के शीर्ष नेताओं/प्रवक्ताओं को एक नया मोर्चा खोलना पड़ गया। यह मोर्चा है विपक्षी एकता की पुकारों के खिलाफ। विशेष रूप से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में ऐसी विपक्षी एकता के ठोस आसार जो नजर आने लगे थे, जिसका रास्ता रोकने की संघ-भाजपा हमेशा से जी-जान से कोशिश करते आए हैं। बेशक, उत्तर प्रदेश में इस विपक्षी एकता की सूरत सिर्फ दो लोकसभाई सीटों के महत्त्वपूर्ण उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए बहुजन समाज पार्टी द्वारा अपने समर्थन की घोषणा तक सीमित थी, लेकिन इसने क्रमशः उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों द्वारा खाली की गई इन लोक सभा सीटों पर उपचुनाव को न सिर्फ दिलचस्प बनाया।

2019 के चुनाव के लिए प्रदेश में हवा के ही पलटने का जबर्दस्त संकेत बना दिया है। योगी आदित्यनाथ के अपनी और भाजपा सरकार की प्रतिष्ठा दांव पर लगा देने के बावजूद दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी ने भाजपा को पटखनी दे दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के हालिया उपचुनावों में भाजपा की हार के बाद उत्तर प्रदेश में लोकसभा उपचुनाव में उसकी हार को अपने गढ़ में भाजपा के ढलान पर होने के संकेत के रूप में पढ़ा जाएगा। इस संकेत को बिहार के उपचुनावी नतीजे पुख्ता करते हैं, जहां राजद ने न सिर्फ अररिया संसदीय और जहानाबाद विधानसभा सीट पर कब्जा बनाए रखा है, बल्कि इसका भी स्पष्ट संकेत दे दिया है कि बिहार में विपक्ष नीतीश-भाजपा सत्ताधारी गठजोड़ पर भारी पड़ने जा रहा है। वास्तव में गुजरात के विधानसभा चुनाव में भाजपा के बहुत कड़े मुकाबले का सामना करने पर मजबूर कर दिए जाने के बाद राजस्थान और मध्य प्रदेश के चुनावी नतीजों से पहले ही संकेत जा चुका था और उत्तर प्रदेश व बिहार के उपचुनाव नतीजों ने इस संकेत को और प्रबल बना दिया है।

सपा के अपने उम्मीदवारों के लिए बसपा के समर्थन की घोषणा को समाजवादी-बहुजन एकता की शुरुआत बताने के विपरीत बसपा सुप्रीमो मायावती ने अभी किसी पार्टी से गठबंधन का फैसला न होने की बात कही थी, फिर भी दोनों पार्टियों का मौजूदा तालमेल सिर्फ मौजूदा लोकसभा उपचुनाव तक सीमित भी नहीं था। कुछ अप्रत्याशित नहीं हुआ तो इस प्रक्रिया के अगले आम चुनाव तक नहीं जाने का कोई कारण नहीं है। नतीजों से साफहै कि यह अगले आम चुनाव में भाजपा के खिलाफ बाजी पलटने वाला एक महत्त्वपूर्ण तत्व साबित हो सकता है। वास्तव में इन्हीं तमाम संकेतों की काट करने की भी कोशिश में भाजपा ने उत्तर-पूर्व के तीन राज्यों के हाल के चुनाव में अपनी जबर्दस्त ''जीत' के अर्धसत्य का खूब ढोल पीटने का सहारा लिया था। वरना सचाई यह है कि इस चक्र में जिन तीन राज्यों में चुनाव हुए हैं, उनमें से एक त्रिपुरा में ही भाजपा सचमुच अपनी जीत का दावा कर सकती है, और वह भी पृथक आदिवासी राज्य का वकालत करने वाले आदिवासी अलगाववादी संगठन के साथ गठजोड़ के सहारे से। इसके विपरीत, मेघालय में भाजपा ने राज्यपाल और खरीद-फरोख्त का सहारा लेकर विधानसभा चुनाव के पिछले चक्र में गोवा और मणिपुर में जो हुआ था, उसी तरह चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर आने के बावजूद कांग्रेस को सरकार बनाने के मौके से वंचित कर दिया है। हां! नगालैंड में जरूर खुद तीसरे-चौथे स्थान पर रहने के बावजूद भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू थे, जहां वह दोनों प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों के साथ एक साथ गलबहियां डाले रही थी। खास तौर पर मेघालय और नगालैंड की ''जीत' से भाजपा सत्ता में अपनी हिस्सेदारी वाले राज्यों की गिनती में तो बढ़ोतरी कर सकती है, लेकिन गुजरात के चुनाव से शुरू हुए और राजस्थान व मध्य प्रदेश के उपचुनावों से पुष्ट हुए और उत्तर प्रदेश-बिहार के उपचुनाव के नतीजों से और प्रबल हो गए इसके संकेतों को पलट नहीं सकती है कि वह 2014 के मुकाबले ढलान पर है। हां! त्रिपुरा के चुनाव के नतीजे इसके साथ ही इस सचाई को जरूर रेखांकित करते हैं कि केंद्र की सत्ता समेत हर तरह के संसाधनों को झोंकने की अपनी सामर्य के बल पर संघ-भाजपा अब भी उन राज्यों में इस रुझान को नकारने में समर्थ हैं, जहां भाजपा किसी अन्य पार्टी को सत्ता से अपदस्थ करने की लड़ाई लड़ रही है। इसी समान खतरे का एहसास है।

जिसने उत्तर-पूर्व के तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के फौरन बाद देश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों से विपक्षी एकता की एक और सुगबुगाहट को जन्म दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री, चंद्रशेखर राव की पहल इस मामले में खास तौर पर नई है। यह पहल पड़ोस में आंध्र प्रदेश में सत्ताधारी तेलुगू देशम के एनडीए में रहते हुए भी भाजपा की केंद्र सरकार के साथ उसके रिश्तों में खटास पैदा हो जाने की पृष्ठभूमि में आई है। जाहिर है कि अपने-अपने राज्य में सत्ता संभाले ये दोनों पार्टियां, जो मोदी राज के बड़े हिस्से में उसके साथ ही बनी रही हैं, अब और उसके साथ लगे रहने में अपना नुकसान ही होता देख रही हैं। याद रहे कि इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव अगले लोक सभा चुनाव के साथ ही होने हैं। उधर पूर्व में ममता बनर्जी ने न सिर्फचंद्रशेखर राव की पहल को अपना समर्थन दे दिया है, बल्कि तुरत-फुरत तमिलनाडु में द्रमुक से लेकर झारखंड में शिबू सोरेन तक से इस सिलसिले में संपर्क भी कर डाला बताते हैं। सोनिया गांधी के ताजातरीन विपक्षी डिनर से साफ है कि विपक्षी एकता की सुगबुगाहटों का आने वाले दिनों में और तेज होना तय है। इस सबके बीच से भाजपा के जनविरोधी, सांप्रदायिक और तानाशाहीपूर्ण निजाम के खिलाफ जनमत और राजनीतिक ताकतों को अंततः कितना और किस रूप में एकजुट किया जा पाएगा और ये समवेत प्रयास, आरएसएस-भाजपा की अनुपातहीन तरीके से साधनसंपन्न चुनाव मशीन का कितनी सफलता के साथ मुकाबला कर पाएंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन, इतना साफ है कि सब कुछ भाजपा की इच्छा के अनुसार ही नहीं हो रहा है।

राज से जनता के बढ़ते मोहभंग ने अपनी कारगर अभिव्यक्ति के लिए राजनीतिक रास्ते तलाश करना शुरू कर दिया है। आने वाले दिन और महीने काफी घटनापूर्ण होंगे।

चलते चलते

टीवी चैनलों की बहस

टीवी चैनलों की बहसों में न तो इधर भूत-प्रेत थे। न हिंदू-मुसलमान। न ही मंदिर-मस्जिद कहीं थे। यहां तक कि चीन और पाकिस्तान भी कहीं नहीं थे। और तो और ट्रंप और किम भी नहीं थे, जो पिछले कई महीनों से स्थायी तौर पर चैनलों पर जमे हुए थे। खैर, अगर वे एक दूसरे पर बम डालने की बातें करते तो वहां होते। पर वे तो अब एक दूसरे से दोस्ती की बात करने लगे थे। दोस्ती, बातचीत, मिलन वगैरह में भला टीवी चैनलों की क्या दिलचस्पी हो सकती है। सो, ट्रंप और किम की महीनों तक कुती दिखाने के बाद अचानक चैनलों ने उन्हें चलता कर दिया- अच्छा राम-राम! पर यह क्या है? उधर देखो यार, लाल झंडों का हुजूम! कहां चला जा रहा है। अच्छा मुंबई! किसानों, आदिवासियों के हाथों में लाल झंडे। गरीब-

हिंदू-मुसलमान। न ही मंदिर-मस्जिद कहीं थे। यहां तक कि चीन और पाकिस्तान भी कहीं नहीं थे। और तो और ट्रंप और किम भी नहीं थे, जो पिछले कई महीनों से स्थायी तौर पर चैनलों पर जमे हुए थे। खैर, अगर वे एक दूसरे पर बम डालने की बातें करते तो वहां होते। पर वे तो अब एक दूसरे से दोस्ती की बात करने लगे थे।

गुरबों के हाथ में लाल झंडे। भूखे-नंगों के हाथों में लाल झंडे। पांव सूज गए। घाव हो गए। फिर भी थिरक रहे हैं, नाच रहे हैं, गा रहे है। लोगों को आर्श्चय हुआ। अभी-अभी तो त्रिपुरा में इनको हराया था। वहां तो इनकी पिटाई भी खूब हुई थी। इनके दफ्तर-वफ्तर जला डाले गए थे। गांवों और बस्तियों से खदेड़ दिया गया था। चैनलों पर भी ज्ञानीजनों ने इनकी खूब पिटाई की थी। हालांकि इन्हें पैंतालीस फीसद वोट मिला था। फिर भी घोषणा कर दी गई थी कि खत्म हो गए ये लोग। घोषणा कुछ इस अंदाज में की गई कि दुनिया से तो ये पहले ही खत्म हो गए थे। बस त्रिपुरा बचा था, चलो अब वहां भी कर दिया गया इनका सफाया। पर फिर ये कहां से आ गए। लेनिन की मूर्तियां तो तोड़ दी गई थीं, फिर भी लेनिन के ये अनुयायी कहां से निकल आए इतनी बड़ी तादाद में। हारने और पिटाई के बाद भी इतना जोश! और यह क्या हो गया मीडिया वालों को! क्यों इतनी कवरेज दे रहे हैं? पहले तो कभी इतनी कवरेज नहीं दी। इनके राजस्थान के आंदोलन को भी नहीं दी थी। और ये सभी लोग क्यों इनके स्वागत के लिए आ रहे हैं-देखो शिव सेना भी और एनसीपी भी! क्या हो गया है इन पार्टियों को और क्या हो गया है सरकार को। क्यों इनके सामने झुक गई? अरे लो, यह तो जीत कर चले गए। अभी-अभी तो हारे थे। अभी-अभी जीत भी गए। यह हो क्या रहा है?

फोटोग्राफी...

यह फोटो साउथ जॉर्जिया आईलैंड का है, जिस पर ब्रिटिश सरकार का नियंत्रण है। दक्षिण अटलांटिक महासागर में छोटा सा यह आईलैंड प्राकृतिक रूप से तो खूबसूरत है ही, उसका आकर्षण यहां मौजूद हजारों किंग पेंग्विन से और बढ़ जाता है। यह फोटो एरिक चेन ने क्लिक किया है, वे कहते हैं- यहां कम से कम 5 लाख पेंग्विन हैं और उनकी औसत ऊंचाई तीन फीट से अधिक होती है। इसे पक्षी प्रजाति के दुर्लभ जीव देखने के लिए दुनिया की श्रेष्ठ जगहों में शामिल किया गया है। Infozonic.com

''वॉक फ्री फाउंडेशन'

सयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट में मानव तस्करी का एक प्रमुख केंद्र भारत को बताया गया है, और दिल्ली को इसके व्यवसाय के लिए सुरक्षित ठिकाना। बाल अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था कैम्पेन अगेंस्ट चाइल्ड ट्रैफि लंग ने मानव तस्करी के कारणों का खुलासा करते हुए साफकिया है कि भारत की भौगोलिक एवं सामाजिक विविधता मानव तस्करी के लिए बेहद मुफीद है। नेपाल के बच्चे मेघालय में काम करते हुए मिल जाएंगे। हरियाणा में लिंगानुपात बेहद कम होने और लड़कियों की संख्या बेहद घटने से असम की लड़कियां यहां दुल्हन के रूप में मिल जाएंगी। गोवा के स्पा सेंटर में काम करने वाली कमसिन लड़कियां और बच्चे मानव तस्करी के जरिए उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत से यहां लाए जाते हैं। पूर्वोत्तर के राज्यों में एंटी ह्यूमन ट्रेफिलंग स्क्वॉड असम, अरु णाचल और मणिपुर में काम करती हैं, यहां मानव तस्करी एक बड़ा व्यापार है। भारत में नेपाल और बांग्लादेश से मानव तस्करी सबसे ज्यादा हो रही है, और भारत इसे रोकने के लिए बांग्लादेश के साथ लगातार काम भी कर रहा है। पश्चिम बंगाल विविधता और गरीबी के कारण मानव तस्करी से सबसे ज्यादा प्रभावित है। पिछले सालों में पश्चिम बंगाल में मानव तस्करी के सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए। साल 2016 में यह आंकड़ा 3576 था। बाल विवाह के लिए बदनाम राजस्थान इसके बाद दूसरे और तीसरे नम्बर पर फिर कथित विकसित राज्य गुजरात आता है। दरअसल, भारत में शहरों की आबादी निरंतर बढ़ रही है। देश में पिछले एक दशक में गांवों की तुलना में शहरी आबादी ढाई गुना से भी अधिक तेजी से बढ़ी है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश की आबादी का 68.84 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण और 31.16 फीसद शहरी है। रोजगार की तलाश में लोग गांवों से शहर आने लगे हैं। शहर में रहने की दिक्कतें और रोजगार की जरूरतें गरीबों के लिए जानलेवा होती हैं। ''वॉक फ्री फाउंडेशन' के 2014 के ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स के मुताबिक भारत में एक करोड़ चार लाख से अधिक लोग आधुनिक गुलामी में जकड़े हुए हैं। माया नगरी मुंबई को यूं तो सपनों की नगरी कहा जाता है, लेकिन यह भी अब मानव तस्करी के लिए कुख्यात हो रही है। इस मानव तस्करी का सबसे आसान शिकार लड़कियां होती है, जिन्हें रेड लाइट एरिया में धकेल दिया जाता है। यहां पर बांग्लादेश, नेपाल, म्यामांर, फि लीपींस, उज्बेकिस्तान और कजाखस्तान की लड़कियां भी मिल जाती हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस को फटकार लगाई थी कि वो सिर्फ अमीरों के बच्चे तलाश करती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट कहती है कि 80 प्रतिशत पुलिस वाले गायब होने वाले बच्चों की तलाश में कोई रुचि नहीं दिखाते। राष्ट्रीय मानावधिकार आयोग के अनुसार भारत में हर साल लगभग 45 हजार बच्चे गायब होते हैं, और इनमें से 11 हजार बच्चे कभी नहीं मिलते। अब भारत में भी मानव तस्करी को रोकने के लिए कड़ा कानून बनाया गया है, जिसमें ऐसे मामलों में शामिल होने पर 10 साल से आजीवन कारावास की कैद भी हो सकती है। व्यक्तियों की तस्करी (रोकथाम, सुरक्षा और पुनर्वास) विधेयक, 2018 के अनुसार समयबद्ध अदालती सुनवाई, पीड़ितों को संज्ञान की तिथि से एक वर्ष की अवधि के अंदर वापस भेजना, जिलों में सुनवाई की व्यवस्था और बेहतर पुनर्वास के प्रावधान किए गए हैं। उम्मीद है कि नये कानून का सही क्रियान्वयन होगा और भारत को इस संगठित अपराध से मुक्ति मिलने की संभावना बढ़ेगी। बहरहाल, मानव तस्करी की समस्या से निपटने के लिए पुलिस, स्वयंसेवी संगठनों, प्रशासन, महिला संगठनों और समाज को मिलकर व्यापक साझा प्रयास करने की जरूरत है।

श्रीलंका और बांग्लादेश 'करो या मरो' के मुकाबले में आमने सामने

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका और बांग्लादेश निदाहास ट्राफी टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के 'करो या मरो' के मुकाबले में कल एक दूसरे के मुकाबिल होंगे तो उनका इरादा अपनी गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन का होगा। दोनों में से विजेता टीम 18 मार्च को फाइनल में भारत से खेलेगी। दोनों टीमों के त्रिकोणीय श्रृंखला में एक एक जीत के साथ दो अंक हैं। श्रीलंका ने पहले मैच में भारत को हराया जबकि बांग्लादेश ने 215 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल करके मेजबान को मात दी। मेजबान टीम को फायदा यह है कि मैच बारिश में धुलने पर बेहतर रनरेट के आधार पर वह फाइनल में पहुंच जायेगी।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका का हालिया रिकार्ड प्रभावी रहा है। उसने बांग्लादेश को टेस्ट और टी20 श्रृंखला में हराने के अलावा जिम्बाब्वे समेत त्रिकोणीय एक दिवसीय श्रृंखला के फाइनल में भी उस पर जीत दर्ज की। श्रीलंका को नियमित कप्तान दिनेश चांदीमल की कमी भी खलेगी जिन्हें दो टी20 मैचों से निलंबित कर दिया गया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में वह धीमी ओवर गति के अपराध के दोषी पाये गए। उनकी गैर मौजूदगी में तिसारा परेरा कप्तान होंगे।

मेजबान टीम को फार्म में चल रहे कुशाल मेंडिस और कुशाल परेरा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। उपुल थरंगा और कप्तान तिसारा परेरा भी फार्म में हैं। बांग्लादेश को शीर्षक्रम से प्रदर्शन में निरंतरता की उम्मीद होगी जो एक मैच में अच्छे प्रदर्शन के बाद उसे दोहराने में नाकाम रहा। मुशफिकर रहीम भारत के खिलाफ किये गए अच्छे प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे जबकि शाकिब अल हसन की वापसी से आक्रमण मजबूत होगा।

अच्छे प्रदर्शन के दम पर फीफा रैंकिंग में 99वें स्थान पर पहुंचा भारत

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम हाल के अपने अच्छे प्रदर्शन के दम पर फीफा की जारी ताजा विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर पहुंच गयी। यह पिछले एक वर्ष में दूसरा अवसर है जबकि भारत शीर्ष 100 में जगह बनाने में सफल रहा। भारत तीन पायदान आगे बढ़ा है जिससे वह वर्ष 2018 में पहली बार शीर्ष 100 में पहुंचा। पिछले महीने तक टीम 102वें स्थान पर थी लेकिन छह अंक हासिल करने से टीम को रैंकिंग में फायदा मिला। भारत के अब कुल 339 अंक हैं। हाल में एएफसी कप क्वालीफायर्स 2019 में अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम लीबिया के साथ संयुक्त 99वें स्थान पर है। भारत अपना अगला मैच अब 27 मार्च को किर्गीज गणराज्य के खिलाफ बिस्केक में खेलेगा। इस एएफसी कप 2019 के क्वालीफाईंग मैच में जीत दर्ज करके भारतीय टीम अपनी रैंकिंग में सुधार करने की कोशिश करेगी क्योंकि वह टूर्नामेंट के लिये पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है। भारत की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 94 है जो उसने 1996 में हासिल की थी। स्टीफन कान्सटेनटाइन की कोचिंग वाली टीम 2017 में 96वें स्थान पर पहुंची थी लेकिन वह अपने इस स्थान को बरकरार रखने में नाकाम रही थी। भारत एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) के देशों में रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गया है। इस सूची में ईरान (ओवरआल 33वें) और आस्ट्रेलिया (37वें) शीर्ष 50 में शामिल देश हैं।

मेस्सी ने चैंपियन्स लीग में दागे 100 गोल, चेल्सी को भी दी शिकस्त

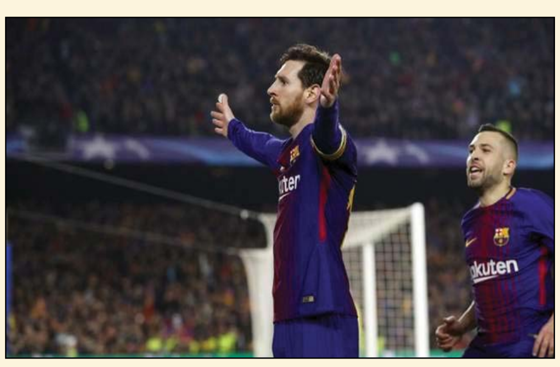

बार्सिलोना। दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेस्सी ने कल यहां चैंपियन्स लीग में अपने कुल गोल की संख्या 100 पर पहुंचायी जिससे बार्सिलोना ने चेल्सी को 3-0 से करारी शिकस्त देकर उसकी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को समाप्त किया। कैंप नोउ में बार्सिलोना के प्रशंसकों को मेस्सी से बड़ी उम्मीदें थी और उन्होंने उन्हें निराश नहीं किया। मेस्सी ने 129वें सेकेंड में ही गोल दागकर दर्शकों को जश्न मनाने का मौका दिया। उस समय तक चेल्सी की टीम ने कोई पास भी नहीं बनाया था। इसके बाद मेस्सी ने ओसमाने डेम्बेले की गोल करने में मदद की जिससे बार्सिलोना की बढ़त दोगुनी हो गयी। इस अर्जेंटीनी स्टार ने फिर चैंपियन्स लीग में अपने 123वें मैच में अपना 100वां गोल दागा। इससे बार्सिलोना ने दूसरे चरण का यह मैच 3-0 और ओवरआल 4-1 से जीत दर्ज की। मेस्सी यूरोप के इस प्रमुख टूर्नामेंट में गोल का शतक पूरा करने वाले केवल दूसरे फुटबालर हैं। रीयाल मैड्रिड के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सबसे पहले यह उपलब्धि हासिल की थी। उनके नाम पर 152 मैचों में 117 गोल दर्ज हैं।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी हालेप संघर्षपूर्ण जीत से सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी सिमोना हालेप ने क्रोएशिया की पेट्रा मार्टिच के खिलाफ तीन सेट चले कड़े मुकाबले में 6-4, 6-7 (5/7), 6-3 से जीत दर्ज करके डब्ल्यूटीए इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी। रोमानिया की 26 वर्षीय हालेप का इस सत्र का रिकार्ड अब 18-1 हो गया है और उनकी निगाह 2018 में दूसरा डब्ल्यूटीए खिताब जीतने पर है। सेमीफाइनल में हालेप का सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा जिन्होंने चेक गणराज्य की पांचवीं वरीयता प्राप्त कारोलिना पिलिसकोवा को 6-2, 6-3 से उलटफेर का शिकार बनाया। हालेप ने विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर बने रहना भी सुनिश्चित कर लिया है क्योंकि विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी कारोलिना वोजनियाकी मंगलवार को ही हारकर बाहर हो गयी थी।

इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे विश्व नंबर एक खिलाड़ी फेडरर

इंडियन वेल्स। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रोजर फेडरर ने अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए आज यहां एटीपी इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। फेडरर ने जेरेमी चार्डी को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराया। जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में अपना 20वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले 36 वर्षीय फेडरर बेहतरीन फार्म में चल रहे हैं। उनका 2018 का रिकार्ड 15-0 है।

यह 2006 के बाद उनकी किसी सत्र की सबसे अच्छी शुरूआत है। तब उन्होंने 16-0 से शुरूआत की थी और 34 में से अपने 33 मैच जीते थे। फेडरर ने कहा, 'यह शानदार है। यह पूरी तरह से अलग तरह का वर्ष है और ऐसा कई वर्षों बाद हुआ है।' क्वार्टर फाइनल में फेडरर का मुकाबला दक्षिण कोरिया के चुंग हियोन से होगा जिन्होंने 30वीं वरीयता प्राप्त पाब्लो कुएवास को 6-1, 6-3 से पराजित किया।

पुरूष वर्ग के अन्य मैचों में क्रोएशिया के बोर्ना कोरिच ने अमेरिका के टेलर फिट्ज को 6-2, 6-7 (6/8), 6-4 से हराया। उन्हें अब दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन से भिड़ना होगा जिन्होंने स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा को 4-6, 6-3, 7-6 (8/6) से हराया।

भारतीय महिला टीम की दूसरी हार, आस्ट्रेलिया ने जीती श्रृंखला

वड़ोदरा (एजेंसी)।

स्मृति मंदाना से मिली अच्छी शुरूआत के बावजूद भारतीय महिला क्रिकेट टीम को मध्यक्रम की नाकामी के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यहां 60 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा जिससे उसने तीन मैचों की श्रृंखला भी गंवा दी। भारतीय टीम के सामने 288 रन का मुश्किल लक्ष्य था। बायें हाथ की बल्लेबाज मंदाना ने 53 गेंदों पर 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन की तेजतर्रार पारी खेली लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय पारी बड़े स्कोर के दबाव में बिखर गयी और आखिर में 49-2 ओवर में 227 रन पर आउट हो गयी।

इससे पहले आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर नौ विकेट पर 287 रन बनाये थे। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज निकोल बोल्टन (84), एलिस पैरी (नाबाद 70) और बेथ मूनी (56) ने अर्धशतक जमाये। भारत की तरफ से शिखा पांडे ने 61 रन देकर तीन और पूनम यादव ने 52 रन देकर दो विकेट लिये। पैरी ने आलराउंड खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट भी लिये लेकिन भारतीय बल्लेबाजों को लगातार दूसरे मैच में स्पिनरों ने परेशान किया। बायें हाथ की स्पिनर जेस जोनासन आस्ट्रेलिया की सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 51 रन देकर तीन विकेट लिये। लेग स्पिनर अमांडा वेलिंगटन ने 20 रन देकर दो विकेट हासिल किये।

आस्ट्रेलिया ने इस तरह से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। ये मैच आईसीसी महिला चैंपियनशिप का भी हिस्सा हैं जिसमें आस्ट्रेलिया दोनों मैच जीतकर दो महत्वपूर्ण अंक जुटाने में सफल रहा। उसके अब पांच मैचों में आठ अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गया है जबकि भारत के इतने ही मैचों में चार अंक हैं और वह चौथे स्थान पर है। मंदाना ने भारत को सकारात्मक शुरूआत दिलायी लेकिन उनकी जोड़ीदार पूनम राउत (61 गेंदों पर 27 रन) ने बेहद धीमी बल्लेबाजी की। आलम यह था कि जब मंदाना ने 41 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया तब पूनम राउत 39 गेंदों पर नौ रन बनाकर खेल रही थी। उनकी धीमी बल्लेबाजी का भारतीयों पर दबाव पड़ा जिसके सामने बड़ा लक्ष्य था। मंदाना ने अर्धशतक पूरा करने के

बाद भी अपने तीखे तेवर जारी रखे लेकिन तेजी से रन बनाने के प्रयास में वह जोनासन की गेंद पर स्लॉग स्वीप करके फाइन लेग पर कैच दे बैठी। इसके बाद भारतीय टीम लड़खड़ा गयी।

राउत आउट होने वाली अगली बल्लेबाज थी जबकि कप्तान मिताली राज (15) और आलराउंडर हरमनप्रीत कौर (17) भी जल्दी पवेलियन लौट गयी। दीप्ति शर्मा (26) ने लंबा शाट खेलकर कैच दिया जबकि वेदा कृष्णमूर्ति (दो) और विकेटकीपर बल्लेबाज सुषमा वर्मा (आठ) दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पायी। भारत की तरफ से दूसरा सबसे बड़ा स्कोर नौवें नंबर की बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (30) ने बनाया जिससे टीम 200 स्कोर के पार पहुंची। निचले क्रम में शिखा पांडे ने 15 और एकता बिष्ट ने आठ रन बनाये। इससे पहले बोल्टन ने एलिसा हीली (19) के साथ पहले विकेट के लिये 54 और कप्तान मेग लैनिंग (24) के साथ दूसरे विकेट के लिये 66 रन की साझेदारी करके आस्ट्रेलिया को अच्छी शुरूआत दिलायी।

भारत ने बीच में 14 रन के अंदर तीन विकेट लेकर वापसी की कोशिश की लेकिन पैरी और मूनी ने पांचवें विकेट के लिये 96 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इन दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 18 मार्च को इसी मैदान पर खेला जाएगा।

इंग्लैंड को उम्मीद, पहले टेस्ट तक फिट हो जाएंगे स्टोक्स

वेलिंगटन। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले बेन स्टोक्स की चोट के कारण बनी आशंका को दरकिनार करते हुए उम्मीद जतायी कि यह आलराउंडर मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएगा। स्टोक्स हाल में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गये थे। उनकी पीठ में दर्द है। वह आकलैंड में 22 मार्च से शुरू होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से पहले न्यूजीलैंड एकादश के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। इंग्लैंड के सहायक कोच पॉल फारब्रेस ने कहा कि स्टोक्स को शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे अभ्यास मैच तक फिट हो जाना चाहिए भले ही उन्हें केवल विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलना पड़े। फारब्रेस ने कहा कि इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को ईडन पार्क में होने वाले पहले टेस्ट मैच तक पूरी तरह फिट हो जाना चाहिए ताकि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों कर सके। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, ''उनके पास आकलैंड टेस्ट मैच तक फिट होने के लिये पर्याप्त समय है।''

किंग्स इलेवन पंजाब फेना से करेगा प्रतिद्वंद्वी टीमों की धुलाई

नई दिल्ली। आईपीएल टीम किंग्स इलेवन पंजाब ने लोकप्रिय घरेलू भारतीय ब्रांड फेना को अपना नया प्रमुख प्रायोजक बनाया है। फेना ने 7 अप्रैल से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग, सीजन 11 के लिये 2014 की उपविजेता किंग्स इलेवन पंजाब के साथ हुई अपनी आधिकारिक साझेदारी की पुष्टि कर दी है। इस अनुबंध के अनुसार किंग्स इलेवन पंजाब की सभी जर्सियों और उत्पादों पर फेना का लोगो लगा होगा। फेना 40 से अधिक वर्षों से एक विश्वसनीय और भरोसेमंद ब्रांड के रूप में अपनी जगह बना चुका है। मैच के दिनों में भी स्टेडियम में फेना की उपस्थिति रहेगी और किंग्स इलेवन पंजाब के घरेलू मैदानों आईएस बिंद्रा स्टेडियम, मोहाली और होल्कर क्रिकेट स्टेडियम इंदौर में महत्वपूर्ण ब्रांड का प्रदर्शन किया जायेगा।

फेना को पूरा विश्वास है कि आईपीएल नीलामी के बाद नयी विस्फोटक किंग्स इलेवन रविचंद्रन अश्विन की कप्तानी और युवराज सिंह तथा क्रिस गेल के अनुभव के साथ आईपीएल 2018 में प्रतिद्वंद्वी टीमों की गंभीर धुलाई करने के लिये तैयार है। टीम में शामिल लोकेश राहुल, डेविड मिलर, अक्षर पटेल, ग्लेन मैक्सवेल और अन्य नौजवान खिलाड़ी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फिल्डिग के क्षेत्र में भी विरोधी टीमों की अच्छी धुलाई करेंगे।

केरल किंग्स त्रिवेन्द्रम में खोलेंगे दुनिया की पहली टी10 क्रिकेट अकादमी

त्रिवेन्द्रम (एजेंसी)।

संयुक्त अरब अमीरात से केरल किंग्स टीम के मालिकों की अगुवाई वाली प्रमुख भारतीय कारोबारी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराय विजयन को अपने कार्यालय में त्रिवेन्द्रम में दुनिया की पहली टी 10 क्रिकेट अकादमी स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुल्क हेल्थकेयर के अध्यक्ष डॉ शफी उल मुल्क और शारजाह में आयोजित पहली बार अंतरराष्ट्रीय टी -10 टूर्नामेंट जीते हुए केरल किंग्स के सह-मालिक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने टी -10 क्रिकेट लीग मैचों का आयोजन करने के लिए मुख्यमंत्री पिनारायई विजयन से भी चर्चा की।

संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधिमंडल में शामिल विश्व मलयाली परिषद इसाक जॉन के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को केरल के किंग्स द्वारा जीता चैंपियन ट्रॉफी की प्रतिकृति प्रस्तुत की। पिनारयी विजयन ने केरल किंग्स और टी 10 समिति को उनकी सफलता पर बधाई दी और उनकी पहल पर आश्वासन दिया। वर्ल्ड मलयाली काउंसिल (डब्लूएमसी), विश्व स्तर पर सबसे अधिक मलयाली डायस्पोरा फोरम, केरल किंग्स के मालिकों की पहल का समर्थन करता है। टी 10 के पहले भारतीय प्रक्षेपण, क्रिकेट में नई सनसनी को इंडियन वुड कार्निवल के तीसरे संस्करण को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित किया गया। एनआरआई उद्यमी सोहन राय ने इंडीवुड के लिए 10 अरब अमेरिकी डॉलर की परियोजना का नेतृत्व किया। वह यूएई स्थित मेष समूह के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं। इंडीवुड ने सभी सिनेमाघरों में 90 मिनट के टी -10 मैच का प्रसारण करने की योजना बनाई है।

भाग्यशाली हूं कि मेरे पास पावरप्ले में गेंदबाजी का है हुनर: सुंदर

वड़ोदरा (एजेंसी)।

कोलंबो। वाशिंगटन सुंदर ने निधास ट्राफी त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में अब तक पावरप्ले में शानदार गेंदबाजी की है और इस युवा आफ स्पिनर ने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उनके पास मैच के इस महत्वपूर्ण दौर में गेंदबाजी करने का हुनर है। इस 18 वर्षीय गेंदबाज ने अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उनके नाम पर सात विकेट दर्ज हैं जिनमें से तीन विकेट उन्होंने कल बांग्लादेश के खिलाफ लिये थे।

इसके अलावा उनका इकोनोमी रेट 5-87 प्रति ओवर है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपने 16 में से 11 ओवर पावरप्ले में किये। सुंदर ने स्वीकार किया कि पावरप्ले में गेंदबाजी करना चुनौती होती है कि लेकिन सफलता का सूत्र इन चुनौतियों का सामना करना और उनसे पार पाना ही है। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित तौर पर चुनौतीपूर्ण है लेकिन आप इसके लिये ही क्रिकेट खेलते हो। जब आपको अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो आपको इन चुनौतियों का सामना करना होता है। जब आप इन चुनौतियों से पार पाते हो तो बहुत संतुष्टि मिलती है।'

भारत की बांग्लादेश पर 17 रन से जीत के बाद सुंदर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं स्वीकार करता हूं कि मैं भाग्यशाली हूं जो मुझे यह हुनर मिला है। यह बल्लेबाज का दिमाग पढ़ने से जुड़ा है विशेषकर पावरप्ले में क्योंकि प्रत्येक छह गेंदों पर वह आप पर लंबा शाट लगाना चाहेगा। इसलिए दिमाग पढ़ना महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने कहा, 'मैं भी किसी हद तक एक बल्लेबाज हूं और मैं यह अनुमान लगा सकता हूं कि वह क्या सोच रहा है और वह मेरी गेंद को कहां हिट कर सकता है।'

पावरप्ले में सफलता के सूत्र के बारे में सुंदर ने कहा, 'मैंने स्वदेश में काफी लीग मैच खेले हैं। दो साल पहले मैं एक टूर्नामेंट में खेला था। मैं दो ओवर पावरप्ले और दो डेथ ओवरों में करता था जो कि मुश्किल था। इन चीजों से मुझे बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद मिली।'

शहर में गणगौर की धूम

राजस्थानी प्रवासियों के घर गणगौर पूजन का दौर चालू

सूरत। शहर में गणगौर पूजन की धूम मची है। अपने वतन से सैंकड़ों मिल दूर सूरत शहर में बसे राजस्थानी प्रवासी अपनी लोक पर्व गणगौर पूजन की छटा बिखेर रहे हैं। शहर में बसे विभिन्न महिला संगठनों की ओर गणगौर का बनोरा निकाल कर हंसी-ठिठोली, मौज-मस्ती और उमंग के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा जमकर नृत्य कर अपने लोक पर्व को मना रही है। नव विवाहिता को गणगौर के साथ अपने घरों में बुलाकर गणगौर का पूजन करने के बाद राजस्थानी प्रवासी महिलाएं जमकर नृत्य कर रही है। शुक्रवार को उधना इलाके के जीवन ज्योत के निकट गौड़ ब्राह्मण समाज भवन में गौड़ ब्राह्मण महिला ईकाई की ओर से दोपहर तीन बजे गणगौर पूजन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर गणगौर पूजन के साथ सांस्कृतिक आयोजन की प्रस्तुति होगी।

उमरपाडा का युवक फांसी पर झूला

सूरत। सलाबतपुरा के उमरपाडा नेहरुनगर झोपड़पट्टी में रहने वाला एक 19 वर्षीय युवक ने किसी अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सलाबतपुरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरवाडा के नेहरुनगर झोपड़पट्टी घर नं. 83 में रहने वाले अमीनखान पठान के बेटे अजमलखान पठान (19 वर्ष) ने गुरुवार को किसी अज्ञात कारणों से अपने घर में पंखा के साथ दुपट्टा बांधकर फांसी पर लटकते हुए हालत में मिले।

कपड़ा मार्केट के जाम में फंसे रहे वाहन

मिलेनियम मार्केट से रघुकुल मार्केट तक जाम

संवाददाता, सूरत। प्रशासन की लाख कोशिश के बावजूद भी कपड़ा मार्केट में जाम से निजात नहीं मिल पा रहा है। गुरूवार दोपहर तीन बजे मिलेनियम मार्केट से रघुकुल मार्केट तक जबरदस्त जाम लगने से माल वाहक से अलावा ऑटो रिक्शा और दो पहिया वाहन चालक काफी देर तक ट्रॉफिक जाम में फंसे रहे। ट्रॉफिक विभाग की ओर से जाम कराने की कोशिश की गई लेकिन नियम की अनदेखी कर माल वाहक व अन्य वाहन को सड़क के किनारे खडे होने से जाम लग गई। जाम से जूझ रहे लोग प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते नजर आए। जबकि यातायात सप्ताह के दौरान मिलेनियम मार्केट में यातायात विभाग द्वारा व्यापारियों के साथ बुलाई गई मिटिंग में फोस्टा डायरेक्टर रंगनाथ सारड़ा ने कपड़ा मार्केट में होने वाले जाम के लिए वाहन चालकों व ट्रैफिक विभाग के यातायात संचालन कराने वाले ट्रैफिक कर्मियों को जिम्मेदार ठहराया था। सलाबतपुरा थाना प्रभारी ने मिलेनियम मार्के से रघुकुल मार्केट तक होने वाले ट्रैफिक जाम से लोगों को निजात दिलाने का भरोसा दिया था। लेकिन कुछ दिन तक लोगों को ट्रैफिक समस्या से राहत मिली लेकिन उसके बाद फिर रघुकुल मार्केट तक ट्रैफिक समस्या से लोग जूझने के लिए मजबूर है।

कर्ज बढ़ने से पिता ने दो पुत्रों के साथ गटका जहर

दोनों बालकों की मौत, पिता की भी हालत गंभीर

संवाददाता, सूरत। ओलपाड के मासमा गांव में रहने वाले पिता ने सिर पर कर्ज अधिक हो जाने से दो बेटों के साथ जहर पी लिया। जहांगीरपुरा सारोली ब्रिज के नीचे से तीनों बेहोशी की हालत में मिले। वहां से गुजर रहे राही की नजर उन पर पड़ी तो तीनों को इलाज के लिए समीप के अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों बालकों को मृत घोषित कर दिया। जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओलपाड के मासमा गांव में रहने वाले योगेश दलपत पटेल कर्ज काफी बढ़ जाने के कारण तनाव में रहते थे। बुधवार को शाम योगेश ने अपने दो बालकों के साथ जहर पी लिया। ऐसा करने से पहले उन्होंने अपनी मौसी को फोन करके समग्र वाकया भी बता दिए थे। इसके बाद उन्होंने अपने दो बेटे करण (5 वर्ष) और हेरी (6 वर्ष) के साथ साथ जहर पी लिया। जिससे दोनों बालकों की मौत हो गई और योगेश की हालत नाजुक बनी हुई है। ओलपाड पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर में कई जगह हुई सफाई की जांच, अचानक सूरत पहुंची स्वच्छता सर्वेक्षण टीम

संवाददाता, सूरत। स्वच्छता सर्वेक्षण टीम शहर में सफाई के निरीक्षण के लिए अचानक बुधवार को सूरत शहर में पहुंची। सर्वेक्षण टीम पहुंचते ही मनपा आरोग्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भौंचक के रह गए। वहीं स्वच्छता सर्वेक्षण टीम गुरूवार को सेन्ट्रल जोन, कतारगांव जोन, अठवा जोन, लिम्बायत जोन, उधना साउथ जोन सहित शहर के अन्य इलाके में पहुंचकर सफाई कामों का निरीक्षण किया। सूरत महानगर पालिका को इस वर्ष देश में अव्वल बनाने के लिए मनपा कर्मचारियों के अलावा सामाजिक संगठन जमकर मेहनत की है। इससे पहले सूरत महानगर पालिका देश में छठवां और चखैथा स्वच्छ शहर का खखिताब हासिल कर चुका है।

सूरत। स्कूल के वाहनों में सीट के अनुसार ही बच्चे बैठाने का निर्देश हाईकोर्ट ने दिया है। वाहन चालक बच्चो के पेरेंट्स को भरोसा दिलाकर सीटवाइज बच्चे बैठाने की बात करते है। परन्तु नन्ने बच्चे विरोध नहीं कर सकते है। वाहन या ऑटो रिक्षा की क्षमता से अधिक बच्चे को ठूस दिये जाते है। जिससे दुर्धटना का भय तो होता ही है ,ऊपर से बच्चे बीमार भी होते है। पुलिस प्रशासन को स्कूल वाहन को रोड कर दंडात्मक कार्यवाही करनी चाहिए।

ऑफिस में रखे 5.50 लाख रुपए लेकर नौकर फरार

सूरत। अमरोली क्षेत्र में स्थित कन्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाला युवक ऑफिस के अंदर कबाट के ड्रॉवर में रखे गए 5,50,000 रुपए की चोरी करके फरार हो गया। कन्ट्रक्शन के मालिक ने नौकर के खिलाफ अमरोली पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है।

घटना के संदर्भ में अमरोली पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के शिवलार्जर सर्कल के पास अमरदीप सोसाइटी घर नं. बी-26,27 में रहने वाले हरेश देवशीभाई देसाई कन्ट्रक्शन का धंधा करते हैं। इस समय इनकी एक कन्ट्रक्शन की साइट अमरोली के जूना कोसाड सहजानंद स्केवर के बगल में ब्लू होरीझोन के नाम से शुरू की गई है। यहां पर काम का देख-रेख करने के लिए लोकेश उर्फ लीला जयमनी देवकोटा (सुरसेज पंचपुरी नेपाल) को रखे थे। आरोपी लोकेश साइट पर ही रहता था। गत रोज लोकेश ने हेरीजोन साइट पर बनाई गई ऑफिस का दरवाजा खोलकर वहां कबाट में रखा गए 5,50,000 रुपए लेकर फरार हो गया।

क्रिकेट मैच पर सट्टा खेल रहे कुख्यात शख्स समेत 10 गिरफ्तार

अहमदाबाद। शहर के दूधेश्वर-शाहपुर क्षेत्र के कुख्यात उस्मानगनी समेत 10 शख्सों को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार कर लिया है, जब ये लोग भारत-बांग्लादेश के बीच श्रीलंका में खेली जा रही टी-20 क्रिकेट मैच पर सट्टा खेल रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल से मोबाइल, राउटर, नकद और वाहन समेत कुल रु. 11.97 लाख माल भी जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक माधुपुरा पुलिस को सूचना मिली थी कि कुख्यात उस्मागनी अपने घर पर भारत-बांग्लादेश के बीच हो रही क्रिकेट मैच पर सट्टा खिला रहा है।

एक तरफा प्रेम में पागल युवक ने किया हंगामा

सूरत। कतारगांव की रमण नगर सोसाइटी में रहने वाली एक लड़की के एक तरफा प्रेम में पागल युवक ने प्रेम में निराशा हाथ लगने पर क्रोध में आकर लड़की और उसकी मां के ऊपर पेट्रोल डाल आग लगाने का प्रयास किया। घटना के संदर्भ में कतारगांव पुलिस में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने पर पुलिस मामले की जांच शुरू की है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कतारगांव चीकूवाड़ी के पास रमण नगर घर नं. ए-27 में रहने वाली कांतीबेन राजेश करमसीभाई वरिया ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि इनके घर के बगल स्थित घर नं. ए-17 में रहने वाला महेश बचुभाई कलसरिया (25 वर्ष) कांतीबेन की बेटी से एक तरफा प्रेम कर रहा था। इस बारे में कई बार उसको डाटा भी गया। लेकिन उसके अंदर कोई बदलाव नहीं आया। दौरान आरोपी महेश ने एक तरफा प्रेम में पागल होकर गत रोज करीब 7 बजे के लगभग क्रोध में कांतीबेन के घर में जबरन घुस गया। उनकी बेटी को जान से मारने के इरादे से ज्वलनशील पेट्रोल उनकी बेटी तथा कांतीबेन के ऊपर डालकर आग लगाकर जान से मारने का प्रयास किया। कतारगांव पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी महेश को गिरफ्तार कर जांच कर रही है।

आंदोलनकारियों के खिलाफ 90 फीसदी वापस लेने का बयान झूठा : परेश धानाणी

गांधीनगर। गुजरात विधानसभा नेता विपक्ष परेश धानाणी ने राज्य सरकार के उस बयान झूठा करार दिया है, जिसमें उसने विभिन्न आंदोलनों के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज 90 फीसदी केस वापस लेने का दावा किया गया है। गुजरात विधानसभा में पोइन्ट ऑफ ऑर्डर उठाते हुए परेश धानाणी ने कहा कि सदन के उप नेता नितिन पटेल ने सदन में कहा था कि गुजरात के जो युवा आंदोलन कर रहे थे, उसमें पाटीदार आंदोलन हो, एससी, एसटी, ओबीसी आंदोलन हो या दलित आंदोलन हो, ये सभी आंदोलन युवाओं के अधिकार का आवाज था। ऐसे आंदोलनकारियों के खिलाफ 22000 से ज्यादा केस दर्ज हुए थे। जिसमें से 90 प्रतिशत केस वापस ले लिए गए हैं। परेश धानाणी ने बताया कि नितिन पटेल का यह बयान गुजरात की जनता को गुमराह करनेवाला है। परेश धानाणी ने मांग की कि नितिन पटेल को मध्यस्थी बताकर आंदोलनकारियों के खिलाफ केस वापस लेने का सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा करना चाहिए। कांग्रेस विधायक पूंजा वंश द्वारा पोइन्ट ऑफ ऑर्डर को अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार करने का मुद्दा उठाते हुए परेश धानाणी ने कहा कि कांग्रेसी सदस्य जब सदन में बोलते हैं तब भाजपा विधायकों को पोइन्ट ऑफ ऑर्डर को मंजूर किया जाता है। गुजरात विधानसभा में पोइन्ट ऑफ ऑर्डर उठाते हुए परेश धानाणी ने कहा कि सदन के उप नेता नितिन पटेल ने सदन में कहा था कि गुजरात के जो युवा आंदोलन कर रहे थे, उसमें पाटीदार आंदोलन हो, एससी, एसटी, ओबीसी आंदोलन हो या दलित आंदोलन हो, ये सभी आंदोलन युवाओं के अधिकार का आवाज था। ऐसे आंदोलनकारियों के खिलाफ 22000 से ज्यादा केस दर्ज हुए थे। जिसमें से 90 प्रतिशत केस वापस ले लिए गए हैं। परेश धानाणी ने बताया कि नितिन पटेल का यह बयान गुजरात की जनता को गुमराह करनेवाला है। परेश धानाणी ने मांग की कि नितिन पटेल को मध्यस्थी बताकर आंदोलनकारियों के खिलाफ केस वापस लेने का सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा करना चाहिए। लेकिन जब कांग्रेसी विधायक पोइन्ट ऑफ ऑर्डर उठाते हैं तब अध्यक्ष उसे नामंजूर कर देते हैं। इसके बावजूद कांग्रेसी सदस्य सदन के अध्यक्ष का सम्मान करते हुए उनके आदेश के स्वीकार कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा भाजपा विधायकों का समर्थन करना उचित नहीं है। भाजपा के सदस्य किसी भी भाषा में किसी भी राज्य की बात करें, सदन के अध्यक्ष उन्हें इसकी मंजूरी दे देते हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में केन्द्र सरकार की आलोचना करने वाली भाजपा की ही सरकार केन्द्र में है, तब वह जवाब देने से कतराती है।

किशोर बेटा के साथ शारीरिक छेड़खानी करने वाली सौतेली मां गिरफ्तार

अंकलेश्वर। अंकलेश्वर जीआईडीसी से सटे ग्रामीण क्षेत्र में सौतेली मां द्वारा अपने नाबालिग बेटे के साथ शारीरिक छेड़खानी करने के मामले को लेक जीआईडीसी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर पुलिस ने सौतेली मां को मुम्बई से गिरफ्तार करके पूछताछ कर रही है। घटना के संदर्भ में पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकलेश्वर जीआईडीसी पुलिस में 7 मार्च को 13 वर्षीय बालक के साथ उसकी सौतेली मां द्वारा शारीरिक छेड़खानी किए जाने की घटना प्रकाश में आई थी। महिला के पति ने ही पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया था। हालांकि इस घटना को लेकर समग्र क्षेत्र में चर्चा जोरों से चल रही है। पुलिस में छेड़खानी के इस मामले को किशोर का बयान लेकर सौतेली मां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जबकि घटना के बाद सौतेली मां फरार हो गई थी। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि वह मुंबई में है। जहां पुलिस की एक टीम पहुंच कर गिरफ्तार करके अंकलेश्वर लाई है और उससे पूछताछ शुरू की है।

विधायक प्रताप दूधात का सस्पैंशन के विरोध में कांग्रेस ने निकाली रैली

अमरेली। गुजरात विधानसभा में बुधवार को भाजपा और कांग्रेस विधायकों के बीच हुई मारपीट के बाद सदन के अध्यक्ष ने कांग्रेस के दो विधायकों को तीन साल और एक विधायक को एक वर्ष के लिए सभी कार्यवाही से सस्पैंड कर दिया था। इन तीन विधायकों में से सावरकुंडला के विधायक प्रताप दूधात का निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज विशाल रैली निकाली और तहसीलदार को ज्ञापन दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तहसीलदार कचहरी का घेराव करने के प्रयास को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पहले ही बढ़ा दी गई थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार विरोधी नारेबाजी की और प्रताप दूधात का सस्पैंशन तत्काल रद्द करने की मांग करता ज्ञापन तहसीलदार को सौंप दिया। गौरतलब है गुजरात विधानसभा में 14 मार्च को विधायकों के बीच हुई हाथापाई के बाद कांग्रेस के दो विधायक अमरीश डेर और प्रवीण दूधात को तीन साल के लिए तथा बलदेव ठाकोर को एक साल के लिए विधानसभा की सभी कार्यवाही से सस्पैंड कर दिया गया था। इस बारे में विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने रूलिंग देते हुए कहा कि मैंने पहले ही दिन कह दिया था कि शब्दों से लड़ाई हो सकती है, लेकिन किसी पर हमला करना कतई ठीक नहीं है। तीन विधायकों में से सावरकुंडला के विधायक प्रताप दूधात का निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज विशाल रैली निकाली और तहसीलदार को ज्ञापन दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तहसीलदार कचहरी का घेराव करने के प्रयास को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पहले ही बढ़ा दी गई थी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार विरोधी नारेबाजी की और प्रताप दूधात का सस्पैंशन तत्काल रद्द करने की मांग करता ज्ञापन तहसीलदार को सौंप दिया। प्रश्नकाल शुरू होने से पहले ही सार्जन्ट ने मुझे बताया था कि पहले प्रश्न पर चर्चा के दौरान विपक्ष की हंगामा करने की योजना है। हांलाकि कांग्रेस के दो विधायक अमरीश डेर और प्रवीण दूधात को तीन साल और बलदेव ठाकोर को एक साल के लिए निलंबित करने की वित्तमंत्री नितिन पटेल दरखास्त पेश की, जिसे अन्य विधायकों का समर्थन मिलने के बाद सस्पैंशन की कार्यवाही की गई।

दोहरे हत्याकांड की आरोपी युवती को सजा ए मौत

कच्छ। यहां की गांधीधाम कोर्ट ने दोहरे हत्याकांड की आरोपी युवती को फांसी की सजा सुनाई है। 13 महीने पहले मामूली बात को लेकर युवती ने अपनी माता और बहन की हत्या कर दी थी। कच्छ जिले के गांधीधाम के नई सुंदरपुरी में गत 17 फरवरी 2017 की सुबह 5 बजे युवती ने तलवार से अपनी बहन और माता पर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया था। 13 महीने पुराने इस मामले पर सुनवाई करते हुए आज गांधीधाम के अतिरिक्त सत्र न्यायधीश डीआर भट्ट ने मंजू कस्तुरभाई डुंगरिया नामक युवती को दोहरे हत्याकांड के लिए दोषी करार देते हुए उसने दफा 302 के तहत सजा ए मौत का आदेश दिया है। न्यायधीश ने इस डबल मर्डर केस को रैरेस्ट ऑफ रेर केस मानते हुए दोषी युवती को मृत्युदंड दिया है। जानकारी के मुताबिक घटना की पूर्व संध्या पर मंजू की माता राजीबेन ने उसे घरेलू काम को लेकर फटकार लगाई थी।

सूरत। भैसो को सड़क पर खुली छोड़ दी जाती है ,जिससे वाहन चालक एवं राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ती है। वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त भी होते है। भैसो के मालिक को कोई सरोकार नहीं होता है। भैसे और गायों को रोड पर खुली छोड़ने के बाद दिन भर प्लास्टिक य अन्य सामग्री से पेट भरती है और शाम को ग्वाला खूटे पर बांध देता है। लेकिन दिन भर सड़क के बीच बैठने वाली गायो और भैसो की कोई सुध लेने वाला नहीं होता है। महानगरपालिका इस और ध्यान नहीं देती है। जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। वीआईपी रोड से गुजरती भैसो ने आवागमन भी बाधित क़र दिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com